BECC-131

चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम
कला स्नातक बहुविषयक कार्यक्रम
(BAM)

सत्रीय कार्य
जनवरी 2024

पाठ्यक्रम कोड : बी.ई.सी.सी.–131

पाठ्यक्रम शीर्षक : व्यष्टि अर्थशास्त्र के सिद्धांत-I

इग्नू जन-जन का विश्वविद्यालय

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली - 110068

बी.ई.सी.ई.-131
सूक्ष्म अर्थशास्त्र के सिद्धांत-I
सत्रीय कार्य
(जनवरी 2024)

प्रिय अध्येता,

जैसा कि हमने आपको कार्यक्रम-निर्देशिका में सूचित किया था, इग्नू में आपकी प्रगति का मूल्यांकन दो भागों में किया जाता है : (i) सत्रीय कार्यों द्वारा निरंतर मूल्यांकन; और (ii) सत्रांत परीक्षा। आपके संपूर्ण मूल्यांकन में सत्रीय कार्य का भार 30% तथा सत्रांत परीक्षा का भार 70% होता है।

आपको एक 6 क्रेडिट पाठ्यक्रम के लिए 3 या 4 क्रेडिट पाठ्यक्रम के लिए 2 शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य करने हैं। इस सत्रीय कार्य पुस्तिका में आपके कोर पाठ्यक्रम **बी.ई.सी.सी.-131 : व्यष्टि अर्थशास्त्र के सिद्धांत-I** का शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य दिया गया है– यह पाठ्यक्रम 6 क्रेडिट का है। अतः इस पुस्तिका में 3 शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य है जिनके अंकों का योगफल 100 है और भार 30% है।

सत्रीय कार्य-I में विस्तारपूर्ण प्रश्न (DCQs) हैं। इनमें आपको निबंधात्मक उत्तर लिखते हैं जिनमें प्रस्तावना और निष्कर्ष भी होते हैं। इनका लक्ष्य आपकी विषयवस्तु को ठीक से समझ उसे भली प्रकार सुस्पष्ट रूप से व्यक्त रने की क्षमता का मूल्यांकन करना है।

सत्रीय कार्य-II में मध्य स्तर वर्ग (MCQs) के प्रश्न है। यहाँ आपकी विषय की तर्कों के अनुसार व्याख्या करते हुए संगठित उत्तर लिखने की क्षमता का मूल्यांकन किया जाता है। दूसरे शब्दों में, आपकी विभिन्न संकल्पनाओं एवं प्रक्रियाओं में भेद एवं तुलना कर पाने की क्षमता का यहाँ आंकलन किया जाएगा।

सत्रीय कार्य–III में, संक्षिप्त उत्तर वर्ग (SCQs) के प्रश्न हैं। ये आपकी व्यक्तियों, रचनाओं, घटनाओं या संकल्पनाओं एवं प्रक्रियाओं का पुनःस्मरण कर संबद्ध जानकारी को संक्षेप में व्यक्त करने की क्षमता का विकास करेंगे।
सत्रीय कार्य करना आरंभ करने से पूर्व कार्यक्रम निदेशिका के निर्देशों को ध्यानपूर्वक समझ लें। यह बहुत महत्त्वपूर्ण है कि आप अपने शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दें। आपके उत्तर बताई गई शब्द सीमा में ही होने चाहिए। याद रखें कि इन प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपकी लेखन कला में सुधार होगा और आपकी परीक्षा हेतु तैयारी भी होगी।

आपको सत्रांत परीक्षा में शामिल होने का पात्र बनने के लिए कार्यक्रम निदेशिका में बताई गई समय सीमाओं में ही अपने सत्रीय कार्य जमा कराने होंगे।

यह सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास 31 अक्तूबर, 2024 तक जमा करा देने चाहिए।

आपको अध्ययन केंद्र से सत्रीय कार्य जमा करने की रसीद मिलेगी। उसे संभाल कर रखें। संभव हो तो अपने सत्रीय कार्य की एक फोटो प्रतिलिपि भी करा रखें।

अध्ययन केंद्र मूल्यांकन के बाद आपके सत्रीय कार्य आपको लौटाएगा। आपको मिले अंक अध्येता मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, नई दिल्ली को भेजें जाएंगे?

हम आशा करते हैं कि आप सभी प्रश्न सत्रीय कार्यों में उनके लिए दिए गए निर्देशों के अनुसार हल करेंगे। इन बातों का ध्यान रखना उपयोगी रहेगा :

1) **नियोजन :** प्रश्नों को ध्यान से देखें और उन इकाइयों को पढ़ें जिन पर वे आधारित है। प्रत्येक प्रश्न के महत्त्वपूर्ण बिंदुओं को लिखकर रखें तथा उन्हें तार्किक क्रम में संयोजित करें।

2) **गठन :** अपने उत्तरों की प्रारंभिक रूपरेखा तैयार करते समय कुछ चयन और विश्लेषण ज़रूर करें। अपनी प्रस्तावना तथा निष्कर्षों पर विशेष ध्यान दें।

   सुनिश्चित करें कि आप के उत्तर :

   (क) तर्काधारित एवं सुसंगतिपूर्ण हों;

   (ख) वाक्यों एवं अनुच्छेदों के बीच स्पष्ट संबंध सूत्र हों, और

   (ग) लिखते समय अभिव्यक्ति, शैली एवं प्रस्तुति पर पर्याप्त ध्यान देते हुए सही उत्तर दिए गए हों।

3) **प्रस्तुति :** जब आप स्वयं संतुष्ट हो जाएं तो जमा कराने के लिए अपने अंतिम साफ-साफ लिखें, जहाँ आवश्यक हो, महत्त्वपूर्ण बिंदुओं को रेखांकित भी करें। यह भी ध्यान रखें कि बताई गई शब्द सीमाओं का अनुपालन हो रहा हो।

व्यष्टि अर्थशास्त्र के सिद्धांत-I
शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : बी.ई.सी.सी.-131
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.टी.(टी.एम.ए.)/2024
पूर्णांक : 100

सत्रीय कार्य -1

निम्नलिखित वर्णनात्मक श्रेणी के प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में लिखें। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर का मान 20 अंक है। 2x20 =40

1. क) क्या आप इस बात से सहमत हैं कि किसी फर्म का जो व्यवहार अल्पकाल में दक्ष (efficient) लगता है वहीं दीघकाल में अदक्ष पाया जा सकता है? उपयुक्त रेखाचित्र का प्रयोग करते हुए व्याख्या करें। **(10)**

   ख) दीर्घकालीन औसत लागत वक्र (LAC) की U आकृति होने के कारणों की जिसका एक फर्म दीर्घकाल में उत्पादन करने के दौरान सामना करती है, चर्चा कीजिए। **(10)**

2. क) विस्तार पथ की अवधारणा की व्याख्या करें। रेखीय समजातीय उत्पादन फलन के मामले में विस्तार पथ एक सीधी रेखा क्यों होती है? **(10)**

   ख) ऐसे समोत्पाद वक्र का प्रदर्शन करें जिसका ढलवाँ भाग (sloped segments) सकारात्मक होता है। उसी रेखाचित्र में रिज रेखाओं की रचना करें तथा उत्पादन में आर्थिक क्षेत्र की अवधारणा की व्याख्या करें। **(10)**

सत्रीय कार्य 2

निम्नलिखित मध्यम श्रेणी के प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों में लिखें। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है। 3x10=30

3. क) उपयोगिता की अवधारणा की चर्चा करें। गणनात्मक उपयोगिता दृष्टिकोण क्रमवाचक उपयोगिता दृष्टिकोण से किस प्रकार भिन्न है? **(5)**

   ख) आधुनिक अर्थशास्त्रियों द्वारा किन आधारों पर ह्रासमान सीमात उपयोगिता की आलोचना की जाती है? **(5)**

4. क) निम्नलिखित शर्तों के अधीन सरकार द्वारा किसी वस्तु के बाज़ार पर कीमत समर्थन संबंधी उपायों के प्रभाव को बताइये। **(5)**

   i) जब किसी वस्तु की कीमत संतुलन स्तर से नीचे निर्धारित की गई हो।

   ii) जब किसी वस्तु की कीमत संतुलन स्तर के बराबर निर्धारित की गई हो।

   ख) संतुलन स्तर से ऊपर आधार कीमत (price floor) तय करने के क्या परिणाम होते हैं? **(5)**

5. संतुलन की स्थिति प्राप्त करने के लिए कोई उत्पादक दी हुई साधन लागत पर उत्पादन को अधिकतम करने का प्रयास कर सकता है, वैकल्पिक रूप से वह दिये हुए उत्पादन स्तर पर लागत को न्यूनतम करने का प्रयास भी कर सकता है। क्या आप इस बात से सहमत हैं? चर्चा करें। **(10)**

सत्रीय कार्य–3

प्रत्येक लघु उत्तर के प्रश्नों के उत्तर 100 शब्दों में लिखें। प्रत्येक प्रश्न के लिए 6 अंक हैं। 5x 6=30

6. जब हम किसी उन्नतोदर (convex) समोत्पाद वक्र के ऊपर तथा नीचे की ओर गमन करते हैं तब तकनीकी सीमांत स्थानपित्त दर (MRTS) क्यों घटती है?

7. 'उपभोक्ता की बचत की अवधारणा ह्रासमान सीमांत उपयोगिता के नियम से व्युत्पन्न की जाती है'– व्याख्या करें।

8. अंतर्पण्य (Arbitrage) से आप क्या समझते हैं?

9. एक ऐसे आय उपभोक्ता वक्र की रचना करें जहाँ वस्तु बाज़ार में क्षितिजीय अक्ष पर आवश्यक वस्तु तथा ऊर्ध्व अक्ष पर श्रेष्ठ वस्तु का प्रदर्शन हो रहा हो।

10. उस स्थिति में कर का भार कौन वहन करता है जब वस्तु की माँग पूर्णतया लोचदार हो तथा पूर्ति सामान्यतया लोचदार।